कोविड संक्रमण की रोकथाम के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हो बराबर फोकस-कलेक्टर सिंह

> कलेक्टर भीम सिंह ने ली समय-सीमा की बैठक

रायगढ़ । कलेक्टर सिंह ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समय सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने जिले में कोविड संक्रमण की रोकथाम और संक्रमित मरीजों की उपचार व्यवस्था से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि संक्रमण की रोकथाम के लिए शहरी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बराबर फोकस रखना है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी लॉकडाउन का सेती से पालन हो। उन्होंने सारंगढ़ क्षेत्र में मरीजों की बढ़ती सेंया को देखते हुए वहां के प्रशासनिक अमले को लॉकडाउन का सेती से पालन करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने अनावश्यक बाहर घुमने फिरने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के लिये कहा। ग्रामीण क्षेत्रों में लाऊडस्पीकर के माध्यम कोरोना गाइडलाइन्स का प्रचार-प्रसार करने और उसका पालन सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सीएमएचओ डॉ.केशरी को जिले के ग्रामीण इलाकों में से यदि कोई गांव हॉट-स्पॉट बन रहा है तो उस पर विशेष नजर रखने और वहां ज्यादा से ज्यादा लोगों की टेस्टिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की शहरी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी संक्रमण की रेतार रोकने के लिये पूरी सतर्कता से काम करना होगा।

उन्होंने जिले में शासकीय अस्पतालों और कोविड केयर सेंटर के साथ निजी हॉस्पिटल्स में भी ऑक्सीजन बेड बढ़ाने के लिए कहा। सीएमएचओ ने बताया कि सारंगढ़ में राधा कृष्ण हॉस्पिटल्स में अब 40 बेड चालू कर दिया गया है। जिसमें से 32 ऑक्सीजन, 6 आईसीयू और 2 वेंटीलेटर बेड हैं। इसी प्रकार एसआरएम हॉस्पिटल द्वारा शुक्ला मैरीज पैलेस सारंगढ़ में 15 आक्सीजन बेड शुरू कर दिए हैं। इसके साथ ही लैलूंगा में 20, लोइंग में 30 और तमनार के जिंदल अस्पताल में 15 ऑक्सीजन बेड शुरू कर दिए गए हैं। कलेक्टर सिंह ने बताया कि ऑक्सीजन बेड बढ़ाने के साथ आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था भी तेजी से की जा रही हैं। डीएमएफव सीएसआर से बाईपेप मशीन, वेंटीलेटर और ऑक्सीजन कंसेंनट्रेटर की व्यवस्था की जा रही है। इन्हें रायगढ़ शहर के शासकीय कोविड अस्पतालों के साथ ही सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़ और लैलूंगा के कोविड अस्पतालों में भी उपलब्ध कराये जायेंगे। जिससे विकासखंड स्तर पर भी आवश्यक उपकरणों की सुविधा मरीजों को मिल सके।

24 घंटे में ट्रूनाट और 48 घंटे में आरटीपीसीआर रिपोर्ट देने की बनाये व्यवस्था- कलेक्टर सिंह ने स्वास्थ्य अमले से कहा कि सैंपलिंग के बाद आरटीपीसीआर टेस्ट की रिपोर्ट 48 घंटे और ट्रूनाट की रिपोर्ट 24 घंटे के अंदर देने की व्यवस्था बनाये। लक्षणयुक्त तथा गंभीर मरीजों के साथ संक्रमित के प्राइमरी कांटेक्ट की टेस्ट रिपोर्ट जल्द तैयार करें।

टेस्टिंग के पहले फोन नंबर की करें जांच- कलेक्टर सिंह ने पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद मरीजों से जल्द से जल्द संपर्क कर उन्हें होम आइसोलेशन या अस्पताल शिंटिंग का काम जल्द करने के लिये कहा। मरीजों के हॉस्पिटल शिंटिंग कार्य की मॉनिटरिंग के लिये डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारी की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। होम आइसोलेटेड मरीजों की अधिक सेंया को देखते हुए उनके नियमित फॉलोअप करने के लिये डॉक्टर्स की सेंया बढाने के लिये कहा। इस बीच कई मरीजों द्वारा टेस्टिंग के दौरान सही नंबर नहीं दिए जाने की बात सामने आई। इसके लिये कलेक्टर सिंह ने दूसरे विभागों से कर्मचारियों की ड्यूटी टेस्टिंग सेंटर में लगाने के लिये कहा। जिनका काम टेस्टिंग करवाने आये व्यक्ति के फोन नंबर पर डायल कर के यह देखना होगा कि नंबर सही है और टेस्टिंग कराने वाले व्यक्ति से संबंधित है। इससे बाद में पॉजिटिव आने के बाद नंबर गलत होने से मरीज को खोजने वाली मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। कलेक्टर सिंह ने कहा कि कोविड का उपचार कर रहे निजी अस्पतालों में डॉ.खूबचंद बघेल और आयुष्मान भारत योजना के हितग्राहियों से निर्देशानुसार शुल्क लिया जाये। इसकी जांच करते रहने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही निजी अस्पतालों की मॉनिटरिंग करने और ऑक्सीजन बेड अलॉटमेंट की जांच करने के निर्देश दिए।

सभी मितानिनों के पास हो ऑक्सीमीटर और दवाइयों का किट- कलेक्टर सिंह ने गांवों में मितानिनों को पल्स ऑक्सीमीटर और लक्षणयुक्त मरीजों के लिए दवाइयों के किट वितरण की समीक्षा की। सीएमएचओ डॉ. केशरी ने बताया कि किट तैयार करवा कर बीएमओ के माध्यम से बंटवाया जा रहा है। जिससे गाँव में लक्षणयुक्त व्यक्ति का ऑक्सीजन मापन होता रहे और रिपोर्ट नहीं मिलने की स्थिति में दवाइयों को लेना चालू कर सके। उन्होंने शहरी क्षेत्रों के लिये भी ऐसी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही ऑक्सीमीटर की और जरूरत होने पर डीएमएफ के माध्यम से तत्काल खरीदा जाए। इस बीच मेडिकल में ऑक्सीमीटर के तिगुने-चौगुने दामों पर बिकने की बातें सामने आई। इस पर कलेक्टर सिंह ने सभी एसडीएम को इसकी जांच करने और अधिक दाम पर बेचते पाए जाने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर सिंह ने रेमडेसिवीर इंजेक्शन की शासन स्तर से आपूर्ति व उसके अस्पतालों में वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। बताया गया कि सहायक संचालक ड्रग कंट्रोलर के माध्यम से दवा का वितरण होता है। कलेक्टर सिंह ने इस कार्य में उप संचालक समाज कल्याण की ड्यूटी लगाते हुए उन्हें निर्देशित किया कि दवा की आपूर्ति और उसके वितरण की व्यवस्था की पूरी अपडेटेड जानकारी तैयार कर रोज प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में सप्लाई होने वाली दवा का मरीजवार ऑडिट भी किया जायेगा।

अन्तर्राज्यीय बॉर्डर्स पर लगाए टेस्टिंग टीम- कलेक्टर सिंह ने सभी अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट पर टेस्टिंग टीम तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देश हैं बिना नेगेटिव टेस्ट रिपोर्ट के कोई जिले की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकता। अतः इसका कड़ाई से पालन होना चाहिए। उन्होंने इन चेक पोस्ट के पास के गावों में बड़े भवन चिन्हांकित कर उसे क्वारेंटीन सेंटर के रूप में तैयार करने के निर्देश सीईओ जिला पंचायत को दिए। इसके साथ ही उन्होंने बस स्टैंड में भी नियमित टेस्टिंग करने के लिये निर्देशित किया। बहार से आने वाले श्रमिकों की सेंया बढ़ने पर शहर में बड़े भवनों को चिन्हांकित कर वहां सभी जरुरी सुविधाओं की व्यवस्था करते हुए क्वारेंटीन सेंटर के रूप में तैयार करने के निर्देश नगर निगम आयुक्त पाण्डेय को दिए। बैठक में कलेक्टर सिंह ने कोविड गाइडलाइन्स के सेती से पालन करवाने के लिय जांच अभियान चलाने के निर्देश सभी एसडीएम और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विवाह कार्यक्रमों में अनुमति से अधिक व्यक्तियों के शामिल होने की बातें आ रही हैं। विवाह की अनुमति दिए आवेदनों की सूची को पुलिस के साथ साझा करने और इन आयोजनों की जांच करने के लिये भी निर्देशित किया।

इस दौरान एडीएम राजेन्द्र कटारा, सीईओ जिला पंचायत डॉ.रवि मित्तल, डीएफओ रायगढ़ प्रणय मिश्रा, डीएफओ धरमजयगढ़ मणिवासगन एस, अपर कलेक्टर आर.ए.कुरूवंशी, नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केशरी सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

कोविड मरीजों के उपचार के लिए सुविधा व संसाधन हेतु सहायता राशि की अपील

रायगढ़। रायगढ़ जिले में कोरोना वायरस कोविड-19 से संक्रमित व्यक्तियों की सेंया लगातार बढ़ रही है। संक्रमित व्यक्तियों को स्वास्थ्य लाभ तथा उपचार हेतु जिला प्रशासन द्वारा तैयार किए गए जिला कोविड अस्पताल, एमसीएच एवं कोविड केयर सेंटर केआईटी रायगढ़ में रखा गया है। कोविड-19 से संक्रमित मरीजों को बेहतर सुविधा जैसे ऑक्सीजन सिलेंडर, वेंटीलेटर, मास्क, दवाई उपलब्ध कराने हेतु समस्त दानदाताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं, चेंबर ऑफ कॉमर्स, चेबर ऑफ इंडस्ट्रीज एवं उद्योगों से उक्त कार्य हेतु सहायता राशि प्रदान किए जाने हेतु जिला प्रशासन ने अपील किया है। समस्त इच्छुक दानदाता बैंक खाते में सहयोग सहायता राशि जमा कर सकते हैं।

क्वारेंटाईन सेंटरों में लगे अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी में आंशिक संशोधन

रायगढ़ । कलेक्टर भीम सिंह द्वारा क्वारेंटाईन सेंटरों में भोजन, पानी, सुरक्षा, शिकायतों के निराकरण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये नोडल अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। जिसमें आंशिक संशोधन किया गया है। जारी संशोधित आदेश के तहत वर्तमान में क्वारेंटाईन सेंटर में जिन अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है इनमें पोस्ट मैट्रिक अनु.जा.बालक छात्रावास रायगढ़ में भोजन, पानी आदि हेतु छ.ग.विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी रायगढ़ के कार्यपालन अभियंता आनंद कुमार खलखो को जिमेदारी दी गई है। इसी तरह पो.मैट्रिक शा.कर्म.पुत्री कन्या छात्रावास रायगढ़ में नोडल अधिकारी केलो परियोजना संरक्षण संभाग रायगढ़ के कार्यपालन अभियंता पी.डी.अग्रवाल, सहायक नोडल अधिकारी जल संसाधन संभाग रायगढ़ के प्रभारी कार्यपालन अभियंता एस.के.सक्सेना एवं भोजन, पानी आदि हेतु छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती अजीत कुमारी बेक की ड्यूटी लगाई गई है। शेष अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी यथावत रहेगी। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

ई-कॉमर्स सेवायें को पूर्व में दी गई अनुमति हुई निरस्त

होटलों एवं रेस्टोरेंट से केवल स्विगी, जोमेटो के माध्यम से होम डिलीवरी की अनुमति

रायगढ़। कलेक्टर भीम सिंह द्वारा कोविड पाजिटिव प्रकरणों की सेंया में लगातार वृद्धि होने के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुये 6 मई 2021 को प्रातः 6 बजे तक रायगढ़ जिला अंतर्गत संपूर्ण सीमा क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। जिसके तहत छूट प्राप्त गतिविधियों को छोड़कर समस्त प्रकार की गतिविधियों के संचालन को प्रतिबंधित किया गया है। जिसमें पूर्व में जारी आदेश की कंडिका 5 में आंशिक संशोधन किया गया है। ई-कामर्स सेवायें तथा अमेजॉन, लिपकार्ट और अन्य को पूर्व में दी गई अनुमति निरस्त की जाती है तथा होटलों एवं रेस्टारेंट से केवल स्विगी, जोमेटो के माध्यम से होम डिलीवरी की अनुमति प्रातः 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक यथावत रहेगी। आदेश की समस्त कंडिका की शर्ते एवं निर्देश पूर्ववत लागू रहेंगे। यह आदेश 27 अप्रैल 2021 रात्रि 12 बजे से प्रभावशील होगा।

युवक ने डंडे से फेंककर महिला को मारा

महासमुंद (आरएनएस)। बलौदा क्षेत्र के ग्राम नयापारा कोटद्वारी में युवक ने महिला से गाली गलौज कर डंडा फेंककर मार दिया । इससे महिला के सिर से खून निकल रहा था । पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है । पुलिस के अनुसार ग्राम नयापारा कोटद्वारी निवासी सूर्यकांती बाई पति राकेश तांडी सोमवार को अपने घर के आंगन में खड़ी होकर मोबाईल बातचीत कर रही थी । उसी समय गांव का प्रिंस दास पिता ज्योति दास (28) छत में खड़ा था । घरेलू बात को लेकर सूर्यकांति को गाली देते हुए अपने पास रखे डंडे से फेंककर मार दिया । वह जान से मारने की भी धमकी दे रहा था ।

खाद बीज दुकान को खोलने की मांग

गरियाबंद (आरएनएस)। इन दिनों कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन जिला गरियाबंद में भी है जो 5 मई 2021 तक रहेंगे, विदित हो कि 13 अप्रैल से पूरा दुकाने बंद है जनता को महामारी से बचने के लिये जरूरी भी है किन्तु इस बंद से खाद, बीज और कृषि दवाई के लिये किसानों को भटकना पड़ रहा है । कृषि रासायनिक दुकान बंद है तो फसल पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है । सब्जी उत्पादक किसानों को भी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है, सब्जी लिये फसल पर खाद की कमी है तो उपार्जित सब्जी में रोग का उपचार हेतु दवाई की सेत जरूरी है । इस समस्या को लेकर बीजेपी सदस्य मुरली सिन्हा के द्वारा गरियाबंद जिला कलेक्टर महोदय (छ्रू) से मांग किया गया कि पिछले वर्ष की भाँति इस समय भी खाद, बीज एवं दवाई की दुकानों को 2 दो घण्टे के लिये खोलने की अनुमति देने की कृपा करें । हमारे क्षेत्रीय विधायक, सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष/उपाध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एवं अन्य जागरूक जनप्रतिनिधियों से निवेदन किये की जिले के खाद, बीज एवं दवाई की दुकानों को खुलवाने की पहल करके किसानों की ज्वलन्त समस्याओं को हल करने की ।

वृद्ध व्यक्ति पर टांगी से घातक चोट पहुंचाने वाले आरोपी पर लगाई गई संगीन धाराएं

रायगढ़। थाना भूपदेवपुर अन्तर्गत ग्राम जबलपुर में रहने वाला 70 वर्षीय विशाल डनसेना पिता स्व. त्रिलोचन डनसेना दिनांक 22.04.2021 के रात्रि थाना भूपदेवपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि गांव का महेश पटैल टांगी लेकर शाम को घर आया और बैल को मारपीट किये हो कहकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुये टांगी से दाहिने पैर के जांघ में माकर चोट पहुंचाया है, रिपोर्ट पर थाना भूपदेवपुर मे अपराध क्रमांक 81/21 धारा 294, 506, 323 भादवि का अपराध आरोपी के विरूद्ध कायम कर आहत का मुलाहिजा कराया गया। मुलाहिजा रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण में धारा 326, 327 भादवि जोड़ी गई। विवेचना

दरेयान गवाहों ने बताया कि आरोपी महेश पटैल पिता दौलत राम पटैल उम्र 37 वर्ष निवासी जबलपुर थाना भूपदेवपुर पैसे वसूलने की खातिर जबरन झगड़ा विवाद कर वृद्ध को मारपीट कर चोट पहुंचाया है। भूपदेवपुर पुलिस द्वारा आरोपी को आज दिनांक 27.04.2021 को गिरेतार कर रिमांड पर भेजा गया है। टीआई उत्तम साहू के निर्देशन पर प्रकरण की विवेचना, एएसआई गंगाराम भगत द्वारा की जा रही है।

एक लेपटॉप, 11 मोबाईल, 24 हजार 870 रुपए नकद सहित लाखों के सट्टा-पट्टी का हिसाब जब्त

इंदिरानगर में चल रहे क्रिकेट सट्टा पर प्रकोतवाली पुलिस की रेड

रायगढ़ । पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के दिशा निर्देशन पर आईपीएल क्रिकेट सट्टा पर लगातार कार्यवाही के बीच कल दिनांक 26.04.2021 के रात्रि कोतवाली टीआई मनीष नागर एवं हमराह स्टाफ द्वारा इंदिरानगर गंगाराम तालाब के पास एक मकान में दबिश देकर क्रिकेट सट्टा पर कार्यवाही किया गया। टी.आई. कोतवाली को सूचना मिली थी कि बीड़पारा में रहने वाला इमरान हुसैन ऊर्फ सोनू और इमरान खान ऊर्फ बाबू इंदिरानगर मकान में आई.पी.एल.

क्रिकेट के पंजाब व कलकत्ता के मध्य खेले जा रहे क्रिकेट मैच में लोगों से मोबाईल पर सट्टा ले रहे हैं। छापेमारी दौरान एक कमरे में इमरान हुसैन ऊर्फ सोनू तथा इमरान खान ऊर्फ बाबू लाइव चल रहे आई.पी.एल. क्रिकेट पंजाब व कलकत्ता में लेपटाप व मोबाईल से बात करते हुए सट्टा के हिसाब किताब लिखते मिले। पुलिस टीम द्वारा आरोपी इमरान हुसैन ऊर्फ सोनू से एक लेपटाप, लाखों का सट्टा का हिसाब किताब लिखा एक कापी, 06 नग मोबाईल तथा सट्टा खेलाने से प्राप्त नगदी रकम 19,500 रूपये, इमरान खान ऊर्फ बाबू से 05 नग मोबाईल तथा सटटा खेलाने से प्राप्त रकम 5370 रूपये जप्त किया गया है। गिरेतार आरोपी 01. इमरान हुसैन ऊर्फ सोनू पिता मुर्तजा हुसैन उम्र 40 वर्ष निवासी बीडपारा थाना कोतवाली रायगढ, 02. इमरान खान ऊर्फ बाबू पिता अरमान खान उम्र 38 वर्ष निवासी बीडपारा थाना कोतवाली रायगढ के विरूद्ध थाना कोतवाली में धारा 4(क) जुआ एक्ट की कार्यवाही की गई है। कार्यवाही में थाना प्रभारी के हमराह रहे प्रधान आरक्षक नंदू सारथी, आरक्षक अभय नारायण यादव एवं उत्तम सारथी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ के दो आरोपियों पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायगढ़। भूपदेवपुर पुलिस थानाक्षेत्र की नाबालिग बालिका से छेड़खानी और उसकी सहेलियों से मारपीट के मामले में दो आरोपियों को पास्को एक्ट की धाराओं में गिरेतार कर आज रिमांड पर भेजा गया है। जानकारी के अनुसार दिनांक 04/04/2021 के शाम लगभग 4/00 बजे बालिका अपनी दो सहेलियों के साथ भूपदेवपुर के पास होटल जा रही थी। तभी रास्ते में दर्री नहर पार रोड के पास मोटर सायकल में ग्राम दर्री में रहने वाला विद्याधर यादव एवं कोली ऊर्फ विजय यादव पीछे से आकर बालिका के हाथ बांह को पकड़कर छेड़खानी करने लगे, जिसका उसकी दोनों सहेलियां विरोध कर मना की तो दोनों, लड़कियों को गंदी गंदी गालियां देकर धक्का-मुक्की कर मारने पीटने की धमकी दिये। बालिका की सहेली थाना भूपदेवपुर में दूसरे दिन दिनांक 05.04.2021 को रिपोर्ट दर्ज कराई, रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 74/21

धारा 354, 294, 506, 323, 34 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान नाबालिक बालिका का कथन महिला पुलिस अधिकारी एवं न्यायालय से कराया गया एवं प्रकरण में आरोपियों के विरूद्ध पाक्सो एक्ट की धारा 08, 12 जोडी गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर टीआई उत्तम साहू एवं स्टाफ द्वारा आरोपियों के मिलने के सभी संभावित ठिकानों में दबिश दिया जा रहा था, जिस पर आज उन्हें सफलता मिली। घटना के दोनों आरोपी विद्याधर यादव पिता बरत राम यादव 24 वर्ष एवं कोली ऊर्फ विजय यादव पिता भोगीलाल यादव 26 वर्ष दोनों निवासी ग्राम दर्री थाना भूपदेवपुर जिला रायगढ को आज दिनांक 27/04/2021 को गिरेतार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। आरोपी पतासाजी एवं गिरेतारी में थाना भूपदेवपुर प्रभारी निरीक्षक उत्तम साहू, एएसआई देवप्रसाद चौहान एवं थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

भालू के हमले से दो ग्रामीण घायल

महासमुंद (आरएनएस)। सुवरमार पहाड़ी पर विचरण कर रहे भालू ने दो ग्रामीण पर हमला कर घायल कर दिया । इससे एक की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिसका जिला अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद रायपुर रेफर कर दिया गया है । वहीं दूसरे को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है । दोनों शौच के लिए सुवरमार की पहाड़ी पर गए थे । घटना शाम पांच बजे वन परिक्षेत्र बागबाहरा के कोमाखान सर्किल का है । घायलों को वन विभाग के द्वारा 1000 एवं 500 रुपए की तत्कालिक सहायता राशि दी गई है । वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कोमाखान बंधापार निवासी पुरू टंडन पिता कुशल (65) एवं रामलाल पिता गुरुवारु (45) दोनों शौच के लिए शाम पांच बजे सुवरमार पहाड़ी में गए थे । उसी दौरान दोनों का सामना भालू से हुआ । दोनों वहां से भाग पाते भालू ने हमला कर दिया । इसके बाद दोनों जैसे तैसे कर भालू के कब्जे से छुटकर पहाड़ी के नीचे पहुंचे । ग्रामीणों ने दोनों को खून से लथपथ देख जानकारी ली और डायल 112 की सहायता से जिला अस्पताल लाया गया । कुशल राम टंडन की हालत नाजुक थी, जिसे रायपुर रेफर कर दिया गया ।

11 दिन पहले यानी 14 अप्रैल को इसी पहाड़ी पर भालू ने कोमाखान के दो बच्चे राकेश लोधी व नानु यादव को घायल कर दिया था । ज्ञात हो कि गांव के राकेश लोधी, नानु यादव अपने दो अन्य साथी के साथ चार फल खाने के लिए पहाड़ी पर गए थे । इस बीच उनका सामना भालू से हुआ । चारों भालू को देख जान बचाकर वहां से भागने लगे, इससे पहले भालू ने राकेश व नानु पर हमला कर घायल कर दिया ।

मधुमेह रोगियों ने हिम्मत और सतर्कता से दी कोरोना को शिकस्त

रायगढ़। अभी कोरोना जहां बच्चे, बुजुर्ग, जवान सभी को अपनी चपेट में ले रहा है। बुजुर्गो और कोमॉर्बिड लोगों के लिए यह ज्यादा घातक साबित हुआ है। कोमॉर्बिड ऐसे लोगों को कहा जाता है जिन्हें कोई अन्य गंभीर बीमारी, बीपी या शुगर हो। इन बीमारियों की वजह से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती और संक्रमण के तेजी से हावी होने की संभावना होती है। लेकिन अगर हिमत और जज्बे के साथ सतर्कता और सावधानी का मेल हो तो कोरोना से भी जीत है। दो शुगर पेशेंट ने यह बखूबी साबित कर दिखाया है। उन्होंने कोरोना की दवाइयों के साथ सकारात्मकता की औषधि से न सिर्फ कोरोना को सफलतापूर्वक हराया बल्कि दूसरों के लिए एक मिसाल पेश की है कि यदि हम सावधानी, सतर्कता और संयम रखें तो गंभीर बीमारी होने पर भी कोरोना से जीत सकते

हैं। इन कोरोना फाइटर्स में एक नर्स हैं तो एक शिक्षक हैं। दोनों ने होम आइसोलेशन में रहते हुए अपना इलाज कराया और कोरोना से स्वस्थ हुए।

नर्स अंजना भगत कहती है कि आत्मविश्वास और पॉजिटिविटी सबसे बड़ी औषधि है। मैं लोगों की सेवा के दौरान संक्रमित हुई, तो मैंने हिमत नही हारी। शुगर पेशेंट होने की वजह से इस बात से भी वाकिफ थी कि मुझे अपना विशेष ध्यान रखना होगा। मेरे दिमाग में ये बात थी कि नियमित शुगर लेवल चेक करने, शुगर कंट्रोल की दवाइयां नियम व समय पर खाते रहने, योग एक्सरसाइज करने, डाइट पर ध्यान और हाइजीन का विशेष ाल रखने से सब कुछ सामान्य व बेहतर ही होगा। प्रोटोकॉल का पालन करते आइसोलेट हुई व अपनी सोच को हमेशा पॉजिटिव रखा कि मुझे शुगर हुआ तो क्या हुआ, मैं जरूर ठीक होउंगी और अपनी इसी सकारात्मक सोच से मेरी रिकवरी जल्दी होती गई और मै शुगर पेशेंट होने के बावजूद कोरोना को मात देकर स्वस्थ हुई। आज मैं पूर्णतः स्वस्थ हुं। कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव आते ही लोग एकदम डर जाते हैं। आसपास जैसा माहौल है उससे ये डर होना स्वाभाविक है। लेकिन हमें यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि इस डर और टेंशन की वजह से अपनी सेहत और खराब करते हैं। इस समय डरने के बजाय खुद को सकारात्मक रखना बेहद जरूरी है। कोरोना से रिकवरी में अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। ऑक्सीजन लेवल चेक करते रहें। किसी भी प्रकार के परामर्श व सलाह के लिए प्रशासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर्स अपने पास रखें। होम आइसोलेशन के सारे नियमों का पालन करें। सकारात्मक सोच के साथ उसका मुकाबला करें, तो जल्दी स्वस्थ होंगे।

श्री सुशील कुमार गुप्ता कहते है कि मैं एक प्रधान पाठक हुं। अपनी नियमित सेवा के दौरान अनजाने में मैं ऐसे लोगों के संपर्क में आ गया जो कोरोना संक्रमित थे। जिनके सेपर्क में था उनको पॉजिटिव होने की खबर सुनते ही मैने अपना तुरंत टेस्ट कराया। अपने आरटीपीसीआर टेस्ट में कोरोना पॉजिटिव होने के साथ मैं शुगर पेशेंट हूँ। मधुमेह का रोगी होने की वजह से मैं इस तथ्य से भलीभांति परिचित था कि, जो लोग उम्र दराज हैं, जिन्हें हाई ब्लड प्रेशर व डायबिटीज होता है उन्हें कोरोना संक्रमण की वजह से गंभीर बीमार पड़ जाने का खतरा ज्यादा रहता है। एक शुगर पेशेंट होने के बावजूद मैंने हिमत कभी नहीं हारी। मैं इस बात को लेकर बेहद सतर्क रहा कि मेरा ब्लड शुगर नियंत्रित रहे। हेल्थ एडवाइजरी में डायबिटीज के मरीजों को संक्रमण से बचने के लिए जो भी बातें बताई गई थी मैंने उनका पालन किया। मैं लगातार ग्लूकोमीटर और स्ट्रिप से अपने शुगर लेवल को दिन में तीन से चार बार चेक करता था। सतर्क था कि एक शुगर पेशेंट होने के नाते मुझे और भी कई प्रकार के संक्रमण जल्दी और तीव्र भी हो सकते हैं। मैं नियमित समय से शुगर कंट्रोल की दवाइयां लेता रहा। उसी के अनुरूप डाइट का भी ध्यान रखा। मैंने अपने आहार में खट्टे फल, सब्जियों और विटामिन सी वाले फलों को शामिल किया। साथ ही मैं हाइजीन का विशेष रूप से ध्यान रखता था। घर में भी लगातार बार-बार हाथ धोता था, सेनेटाइज करता रहता था। मैंने एक्सरसाइज की, जिससे मेरा ब्लड शुगर नियंत्रित रहा। सुबह का नाश्ता भरपूर करता था। शुगर पेशेंट होने के बावजूद मैं पैनिक नही हुआ। लगातार सकारात्मक रहा। इससे मेरी रिकवरी बहुत ही जल्दी हुई। मैं लगातार अपना ऑक्सीजन लेवल और शुगर लेवल चेक करता, प्रिसक्राइब्ड दवाइयां खाता रहा और बिना पैनिक हुए अपने धैर्य और सकारात्मक सोच की वजह से पूर्णतया स्वस्थ हो गया। आज अपना और अपनों का ाल रखने की और भी जरूरत है। जिस तरह से लोग पैनिक हो रहे हैं। यही सबसे बड़ी समस्या है। जिन परिवारों में कोरोना पहुंचा है, वहां की सबसे बड़ी समस्या है बेवजह का भय। शुगर हो या बीपी हमें इस बात का खयाल रखना है कि ऐसे वक्त में सकारात्मक सोच बहुत ही कारगर है। अच्छा पढ़िए, अच्छा सुनिए और अच्छा देखिए।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480